B.A. 4th Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-IX

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *दश* प्रश्नाः सरल सुरगिरा देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधेयाः। प्रतिविभागं *प्रश्नपञ्चकस्य* उत्तरं प्रदेयम्। 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও। প্রতি বিভাগ থেকে *পাঁচটি* করে প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

'क'-विभागः

'ক'-বিভাগ

(a) कालीपद-तर्काचार्यविरचितखण्डकाव्यद्वयस्य नाम लिख्यताम्।
কালীপদ তর্কাচার্য বিরচিত দুটি খণ্ডকাব্যের নাম লেখো।

(b) कः खलु संस्कृतोद्धरणस्य नाटकस्य रचयिता? किं वा अस्य नाटकस्य उपजीव्यम्?
'সংস্কৃতোদ্ধরণম্' নাটকটির রচয়িতা কে? এই নাটকের উপজীব্য কী?

(c) 'पट्टकाष्ठिका', 'शैवली' इति लघुकथाद्वयस्य प्रणेतृनामोल्लिख्य तत्र सन्निवेशितयोः मुख्यरसयोः नामोपस्थाप्यताम्।
'পট্টকাষ্ঠিকা' এবং 'শৈবলী' - এই লঘুকথাদুটির রচয়িতার নামসহ সেখানে সন্নিবেশিত মুখ্য রসের নামোল্লেখ করো।

(d) 'सर्वमङ्गलोदयम्' कीदृशं काव्यं केन च विरचितम्? कवेः अन्या साहित्यकृतिः का अस्ति?
'সর্বমঙ্গলোদয়ম্' কী ধরনের কাব্য? কার দ্বারা রচিত? কবির অন্য আর কী সাহিত্যকর্ম আছে?

(e) उद्वास्तुसमस्यामवलम्ब्य विरचितं नाटकं तस्य रचयितुश्च नामोपस्थाप्यताम्।
উদ্বাস্তুসমস্যা অবলম্বনে বিরচিত নাটকটির ও তার রচয়িতার নাম লেখো।

(f) 'पाण्डवविक्रमम्' इति काव्यं केन विरचितम्? काव्येऽस्मिन् कति सर्गाः विद्यन्ते?
'পাণ্ডববিক্রমম্' কাব্য কে লিখেছেন? এর সর্গসংখ্যা কত?

(g) रचयितृनामसहितम् बङ्गकविप्रणीतम् अर्वाचीनं जीवनीद्योतकं नाटकद्वयमुल्लिख्यताम्।
রচয়িতার নামসহ বাঙালী কবির অর্বাচীন জীবনীমূলক দুটি সংস্কৃত নাটকের নাম লেখো।

(h) का आसीत् ड. रमा चौधुरी? तया प्रणीतम् 'युगजीवनम्' इति नाटकं किमधिकृत्य रचितम्?
ड. রমা চৌধুরী কে? তার রচিত 'যুগজীবনম্' নাটকটি কী বিষয় অবলম্বনে রচিত?

'ख'-विभाग:

'খ'-বিভাগ

(i) चिपिटकचर्वणं कीदृशं रूपकम्? अत्र अङ्गीरस: क:?
চিপিটকচর্বণ কী ধরনের রূপক? এই রূপকের মুখ্যরস কী?

(j) 'कार्पण्यदोषाद् बुद्धिविकारो जात:' - कस्या: कं प्रति इयम् उक्ति:? उक्तेरस्या: तात्पर्यञ्च किम्?
'कार्पण्यदोषाद् बुद्धिविकारो जात:' - কার প্রতি কার এই উক্তি? এই উক্তির তাৎপর্য কী?

(k) पङ्गुराम: क:? कथं स: कपालिन: पादुकायुगलं पथि निक्षिप्तवान्?
পঙ্গুরাম কে? কেন সে কপালীর জুতো জোড়া রাস্তায় ছুঁড়ে ফেলে দিয়েছিল?

(l) केन रोगेण कपाली ग्रस्तोऽभवत्? रोगप्रशमनाय वैद्येन क: चिकित्साविधि: समुपदिष्ट:?
কোন রোগে কপালী আক্রান্ত হয়েছিল? বৈদ্য রোগের প্রশমন সম্পর্কে কী চিকিৎসার নিয়ম উল্লেখ করেছিল?

(m) सन्धिविच्छेद: क्रियताम् —
সন্ধিবিচ্ছেদ করো —
 (i) तवैकं
 (ii) प्राणांस्त्यक्ष्यामि

(n) संक्षिप्त टीका लेख्या — 'गणवधू:'
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো — 'गणवधू:'

(o) 'न संशयमनारुह्य नरो भद्राणि पश्यति' - कस्य उक्तिरियम्? ईदृशोक्ते: कारणं किम्?
'न संशयमनारुह्य नरो भद्राणि पश्यति' - কার উক্তি এটি? এরূপ উক্তির কারণ কী?

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् *द्वयो:* उत्तरं देयम्। तत्र *प्रश्नस्यैकस्य* उत्तरं संस्कृतभाषया समाधेयम्। 5×2=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে *একটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) टीका लेख्या — 'रुक्मिणीहरणम्' अथवा 'सारस्वतशतकम्'।
টীকা লেখো — 'रुक्मिणीहरणम्' অথবা 'सारस्वतशतकम्'।

(b) समकालिकसमस्यामवलम्ब्य बङ्गसूरिभि: विरचितस्य अर्वाचीनसंस्कृतकाव्यद्वयस्य नाम लिख्यताम्। उभयोरेकस्य विषयवस्तु उपस्थाप्यताम्।
সমসাময়িক সমস্যা অবলম্বনে বঙ্গীয় পণ্ডিতগণ বিরচিত দুটি অর্বাচীন সংস্কৃত কাব্যের নাম লেখো। তার মধ্যে একটির বিষয়বস্তু সম্পর্কে আলোচনা করো।

(c) अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये सिद्धेश्वरचट्टोपाध्यायविरचितानि नाटकानि संक्षेपेण आलोच्यन्ताम्।
অর্বাচীনসংস্কৃতসাহিত্যে সিদ্ধেশ্বর চট্টোপাধ্যায় বিরচিত নাটকসমূহ সংক্ষেপে আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं *प्रश्नद्वयं* लिख्यताम्। तत्र *एकस्योत्तरं* सुरगिरा प्रदेयम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। *একটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দিতে হবে।

(a) चिपिटकचर्वणस्य भरतवाक्यश्लोकं सानुवादं लिखत। अत्र अस्य अनन्यत्वं प्रतिपादयत।
চিপিটকচর্বণের ভরতবাক্য শ্লোকটি অনুবাদসহ লেখো। এখানে এর অনন্যত্ব প্রতিপাদন করো।

(b) बङ्गभाषया अनुवादः कार्य :
বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো ঃ

(i) चूताष्टितुल्यचिपिटायितगण्डदेशा
चण्डक्रियारुचिरखण्डितहास्यलेशा।
कुप्यत्कपालिनयनानलसामिधेनी
पुष्णातु वो गणवधूः क्षणधूतवेणिः।।

अथवा,

(ii) जलार्द्रर्ज्वच्चिपिटकं पङ्कवद् विरसायते।
शुष्कं कृन्तति वक्त्रौष्ठरसनं काष्ठचूर्णवत्।।

(c) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् :
সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা লেখো ঃ

(i) नमोऽस्तु पतिदेवाय ब्रह्माविष्णुस्वरूपिणे।
चतुर्मुखोऽसि कलहे ताडने च चतुर्भुजः।।

अथवा,

(ii) अङ्कः शून्ययुतो ग्राह्यः स्वर्णत्रैगुण्यकर्मणि।
शून्यहीनो यदा ह्यङ्कः शङ्ख्यः सर्वलयस्तदा।।

4. यथाकामं *एकस्य* उत्तरं दीयताम्। 10×1=10

যে কোনো *একটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) ऐतिहासिकवृत्ताश्रयेषु रूपकेषु बङ्गीयकवीनामवदानम् आलोच्यताम्।
ইতিহাসাশ্রিত রূপকগুলিতে বাঙালী কবিদের অবদান আলোচনা করো।

(b) अर्वाचीनसंस्कृतानुवादसाहित्ये बङ्गकवीनाम् अवदानं समासतः लिख्यताम्।
অর্বাচীন সংস্কৃত অনুবাদ সাহিত্যে বাঙালী কবিদের অবদান সম্পর্কে সংক্ষেপে আলোচনা করো।

5. अधोदत्तयोः यथेच्छम् *एकः* प्रश्नः समाधेयः। 10×1=10

निम्नलिखित যে কোনো *একটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) 'चिपिटकचर्वणम्' - इति प्रहसने प्रतिफलितसमाजचित्रं विवृणुत।
'চিপিটকচর্বণ' - এই প্রহসনে প্রতিফলিত সমাজের চিত্র বিবৃত করো।

(b) पाठ्यांशमनुसृत्य रङ्गण्याः चरित्रचित्रणं क्रियताम्।
পাঠ্যাংশানুসারে রঙ্গিণীর চরিত্রচিত্রণ করো।